कृविको समाचार पत्र
कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

वर्ष : 2025 अंक : 3 जुलाई–सितम्बर

इस अंक में.........

- प्रमुख उपलब्धियां
  - -शिक्षा
  - -अनुसंधान
  - -प्रसार
  - -मानव संसाधन विकास
  - -प्रशासनिक
- महत्वपूर्ण बैठकें
- प्रमुख आयोजन
- आधारभूत संरचना विकास
- सेमीनार / सम्मेलन / कार्यशाला / शीतकालीन / ग्रीष्मकालीन स्कूल और प्रशिक्षण आदि में कार्मिकों की भागीदारी।
- पुरस्कार और सम्मान
- गणमान्य व्यक्तियों का भ्रमण
- प्रकाशन

संरक्षक
डॉ. अभय कुमार व्यास
माननीय कुलगुरू

मुख्य संपादक
डॉ. मुकेश चन्द गोयल
निदेशक (पी.एम.एण्ड ई.)

संपादक
डॉ. कमल चन्द मीना
आचार्य (प्रसार शिक्षा)

डॉ. कृष्ण मुरारी शर्मा
आचार्य (शस्य विज्ञान)

डॉ. लोकेश कुमार मीणा
सहायक आचार्य (कृषि अर्थशास्त्र)

डॉ. चमन कुमारी जादौन
सहायक आचार्य (शस्य विज्ञान)

डॉ. आँचल शर्मा
सहायक आचार्य (वन्य जीव प्रबन्धन)

कुलगुरू की कलम से......

वर्तमान तिमाही, विश्वविद्यालय की सेवा के मेरे तीन वर्षो के कार्यकाल की अंतिम तिमाही है, जिसमें मैंने ओनरशिप, जुनून, सकारात्मकता और आध्यात्मिकता की भावना के साथ कार्य किया है। मैं इस अवसर पर विश्वविद्यालय की पिछले तीन वर्षो की उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण साझा करना चाहता हूँ, विशेष रूप से 14 सितंबर, 2013 को विश्वविद्यालय की स्थापना के बाद पहली बार प्राप्त उपलब्धियों का विश्वविद्यालय ने शिक्षा, अनुसंधान, प्रसार, मानव संसाधन विकास, प्रशासनिक एवं वित्तीय सुधार, आधारभूत संरचना विकास, हरित पहल, उद्यमिता एवं स्टार्टअप आदि सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

शैक्षणिक
विश्वविद्यालय में पहली बार

- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का 2 एफ प्रमाण पत्र प्राप्त किया।
- राजस्थान में सर्वप्रथम नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 आधारित ICAR की छठी डीन्स् कमेटी रिपोर्ट लागू की गई।
- कृषि महाविद्यालय, कोटा के निम्नलिखित कार्यक्रमों को ICAR द्वारा मार्च, 2029 तक मान्यता दी गई :–
  - ❖ बी.एससी. (ऑनर्स) कृषि
  - ❖ स्नातकोत्तर (कृषि)– शस्य विज्ञान, अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन तथा प्रसार शिक्षा।
  - ❖ विद्यावाचस्पति – शस्य विज्ञान तथा अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन।
- राज्य सरकार से सवाईमाधोपुर में राज्य स्तरीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमशीलता एवं प्रबंधन संस्थान (SIFTEM) की स्वीकृति मिली।
- पीएचडी छात्रों को 500 रुपये प्रति कक्षा के पारिश्रमिक के साथ स्नातक शिक्षण का अवसर दिया गया।
- नई पहल के तहत "कुलपति–विद्यार्थी संवाद" विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए शुरू किया और मेरे द्वारा 23 सत्रों में 03 कॉलेजों के 1148 विद्यार्थियों से जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु संवाद किये गये।
- कृषि विज्ञान और कैरियर में रुचि पैदा करने हेतु 9वीं से 12वीं कक्षा के स्कूली छात्रों और शिक्षकों को विश्वविद्यालय के कृषि शिक्षा संग्रहालय सहित विभिन्न इकाइयों के भ्रमण के लिए आमंत्रित करने की नई पहल के तहत 16,200 से अधिक छात्रों और शिक्षकों ने भ्रमण किया।

अन्य प्रमुख उपलब्धियाँ

- अकादमिक सत्र 2023 की तुलना में (2,383 विद्यार्थी) सत्र 2024–25 (3,000 विद्यार्थी) में 26 प्रतिशत वृद्धि हुई।
- विश्वविद्यालय के तीन दीक्षान्त समारोह सफलतापूर्वक आयोजित कर स्नातक, स्नातकोत्तर और विद्यावाचस्पति सहित कुल 1180 उपाधियों के साथ 47 स्वर्ण पदक प्रदान किये।
- विश्वविद्यालय के विद्यार्थीयों ने आईसीएआर–एसआरएफ (01), आईसीएआर–जेआरएफ (12), आईसीएआर–नेट (35), राष्ट्रीय अनुसंधान फैलो (02) में चयनित और 1,428 विविध फैलोशिप अर्जित की।
- सरकारी (46) और निजी क्षेत्र (96) में सहायक आचार्य, विषय विशेषज्ञ, तकनीकी सहायक, कृषि पर्यवेक्षक आदि विभिन्न पदों पर 142 होनहार विद्यार्थियों का चयन हुआ।

अनुसंधान
विश्वविद्यालय में पहली बार

- उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड़ में फलों (मौसम्बी और मेंडरिन) पर आईसीएआर– अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना हेतु केन्द्र की स्वीकृति मिली।
- कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा में गेहूं और जौ पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना का स्वैच्छिक केन्द्र तथा बीज उत्पादन केन्द्र की स्वीकृती मिली।
- 50 लाख रुपये से अधिक लागत वाली बाह्य वित्तपोषित परियोजना लाने के लिए वैज्ञानिकों को प्रशंसा प्रमाण पत्र के साथ 10 से 20 हजार रुपये का नकद पुरस्कार, जिसके परिणामस्वरूप ऐसी परियोजनाओं की संख्या 01 से बढ़कर 08 हो गई।
- 7 और अधिक की NAAS रेटिंग वाली पत्रिकाओं में शोध पत्र प्रकाशित करने के लिए 7 से 10 हजार रुपये का नकद पुरस्कार जिससे 10.00 से अधिक NAAS रेटेड पत्रिकाओं में गुणवत्तापूर्ण शोध पत्रों की संख्या दोगुनी हो गई।
- अंतर्राष्ट्रीय संस्थान ICRISAT, हैदराबाद सहित 28 समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये।
- अनुसंधान और प्रदर्शन के उद्देश्य से **कृषि–ड्रोन** की शुरुआत की गई।
- 10 नवीन किस्में विकसित /जारी/अधिसूचित:(मसूर –2; उड़द –1; चना –6, अलसी –1)
- 110 उत्पादन तकनीकें पैकेज में शामिल: (फसल सुधार –23; फसल उत्पादन –38; फसल संरक्षण –20 और बागवानी –29)

अन्य प्रमुख उपलब्धियाँ

- इक्रीसेट एवं डीएसटी सहित 36.90 करोड़ रुपये की 63 बाह्य वित्तपोषित परियोजनाएं स्वीकृत हुईं।
- वर्ष 2022–2025 के दौरान 43,092 क्विंटल गुणवत्तायुक्त बीज का उत्पादन किया गया।
- MAF, उम्मेदगंज, कोटा पर 31 वर्षों से अतिक्रमित 6.71 हेक्टेयर भूमि को मुक्त करवाकर तारबंदी की गई।
- विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मसूर किस्म कोटा मसूर–6 माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 11 अगस्त, 2024 को आईएआरआई, नई दिल्ली में जारी की गई 109 नई किस्मों में शामिल की गई।
- 2022–24 के दौरान NAAS रेटेड जर्नल में 256 गुणवत्तापूर्ण शोध पत्रों का प्रकाशन हुआ।

प्रसार शिक्षा

विश्वविद्यालय में पहली बार

- माननीय राज्यपाल, राजस्थान ने विश्वविद्यालय सामाजिक उत्तरदायित्व (USR) के तहत गोद लिए गए गांवों कनवास और आंवा के विकास में विश्वविद्यालय के प्रयासों के लिए लगातार तीन बार 2022 से 2024 तक प्रशंसा पत्र प्राप्त हुए।
- कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा पर खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित (3.00 करोड़ रुपये), धनियां, लहसुन प्रसंस्करण तथा बेकरी उत्पादों के लिए कॉमन इनक्यूबेशन सेंटर स्थापित हुआ।
- विश्वविद्यालय के मुख्यद्वार पर एक आउटडोर एलईडी डिस्प्ले स्थापित किया गया, ताकि विश्वविद्यालय की गतिविधियों, मौसम की जानकारी और कृषि सलाह को दिन–रात किसानों और अन्य हितधारकों के बीच साझा किया जा सके।

अन्य प्रमुख उपलब्धियाँ

- कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता (91.12 लाख रुपये) और करौली (139.40 लाख रुपये) के लिए क्रमशः डीएसटी व नीति आयोग द्वारा वित्त पोषित नई परियोजनाएं स्वीकृत हुईं।
- लगभग 30,011 प्रतिभागियों के क्षमता निर्माण और कौशल विकास के लिए 434 संस्थागत और 446 असंस्थागत प्रशिक्षण आयोजित किये गये।
- 6689 हैक्टेयर में 19,198 प्रथम पंक्ति प्रदर्शनों से विभिन्न फसलों में 12 से 38% अधिक उपज व लाभ हुआ।
- 10277 विभिन्न प्रसार गतिविधियों से 7,31,100 किसानों और हितधारकों में जागरूकता पैदा की गई।
- किसान सारथी पोर्टल पर 2,80,029 किसानों का पंजीकरण किया गया।
- 88 'सफलता की कहानियां' विकसित और प्रकाशित की गईं।
- 21 किसान उत्पादक संघटन (FPOs) के गठन में तकनीकी सहायता दी गई।
- 'अभिनव कृषि' और **'कृषि पंचांग'** का नियमित प्रकाशन कर उत्पादन पैकेज एवं विश्वविद्यालय गतिविधियों को प्रसारित किया गया।

उद्यमिता विकास और स्टार्टअप पहल

- 2022–25 के दौरान 07 प्रकार के उद्यमों में 43 कौशल–आधारित प्रशिक्षणों के माध्यम से 1,081 प्रतिभागियों को सशक्त बनाया, उनमें से 333 प्रतिभागियों ने 12 लाख रुपये तक की वार्षिक आय के साथ अपनी उद्यम इकाइयां स्थापित की।

प्रशिक्षण

विश्वविद्यालय में पहली बार

- मानव संसाधन विकास के लिए "कृषि विश्वविद्यालय कोटा प्रशिक्षण नीति" को तैयार कर लागू करने वाला राज्य का पहला विश्वविद्यालय है तथा मात्र 13 माह में विश्वविद्यालय के 100% कार्मिक प्रशिक्षित किये गये।

प्रशासनिक / प्रबंधन पहल

विश्वविद्यालय में पहली बार

- रिवाल्विंग फंड, कॉलेज छात्र निधि एवं बीज, प्रसंस्करण और विपणन उपयोग और फर्नीचर के कैडर–वार दिशानिर्देश तैयार कर कार्यान्वित किये गये।
- सर्वश्रेष्ठ शिक्षक/सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान वैज्ञानिक/सर्वश्रेष्ठ प्रसार वैज्ञानिक के लिए पृथक पुरस्कार देने का नीतिगत निर्णय कर कार्यान्वित किया।
- आमजन हेतु विश्वविद्यालय की द्विभाषी वेबसाइट विकसित तथा द्विभाषी न्यूजलेटर नियमित रूप से प्रकाशित किया जा रहा है।
- विश्वविद्यालय की स्थापना उपरान्त 11 इकाईयों में पहली बार पुराने स्टॉक को write-off किया गया जबकि 5 इकाईयों में उनकी स्थापना (1992–2006) के बाद पहली बार write-off कार्य हुआ।
- प्रशासनिक ब्लॉक के शैक्षणिक, गैर–शैक्षणिक कर्मचारियों और विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी परिषद सदस्यों के लिए 'स्टाफ क्लब' की स्थापना की गई।

अन्य प्रमुख उपलब्धियाँ

सीधी भर्ती (92)

- विभिन्न 11 अशैक्षणिक पदों पर 42 कार्मिकों की नियुक्ति।
- विभिन्न विषयों में 06 शैक्षणिक पदों पर 47 नियुक्ति।
- अनुकंपा के आधार पर 03 नियुक्ति।

कृविको समाचार पत्र
कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

वर्ष : 2025 अंक : 3 जुलाई–सितम्बर

पदोन्नति (138)

- 9/18/27 वर्ष की सेवा पर 38 और 16 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को क्रमशः एसीपी और एमएसीपी का लाभ दिया गया।
- 03 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों सहित 19 कर्मचारियों को विभिन्न पदों पर विभागीय पदोन्नति दी गई।
- कॅरियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत 67 शैक्षणिक कर्मचारियों को पदोन्नति दी गई।

सामान्य प्रशासन

- विभिन्न स्रोतों (राज्य सरकार/आईसीएआर/अन्य) से बजट आवंटन में 2022–23 (49.95 करोड़) की तुलना में 2023–24 और 2024–25 के दौरान क्रमशः 22.8% और 48.7% की वृद्धि हुई।
- विश्वविद्यालय निधि से 116 सेवानिवृत्त कर्मचारियों को नियमित रूप से पूरी पेंशन दी जा रही है।
- विश्वविद्यालय के लंबित 97 अदालती मामलों में से 40 केस सुलझाए गए, जिनमें 85% सफलता दर के साथ 34 केस विश्वविद्यालय के पक्ष में रहे।
- बेहतर विद्युत प्रबंधन और सौर ऊर्जा प्रणाली की स्थापना से विश्वविद्यालय के प्रशासनिक ब्लॉक का 85% भाग वातानुकूलित कर प्रति वर्ष 10 लाख रुपये से अधिक की बचत की गई।

हरित पहल

- विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों पर लगभग 35,852 पौधों का रोपण किया गया, जिनकी सफलता दर 95% से अधिक रही।
- हरित पहल के तहत सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता में 350 किलोवाट (473%) की वृद्धि से विश्वविद्यालय परिसर के बिजली बिल में 40–45 प्रतिशत की बचत हुई।
- प्रत्येक कार्यशील इकाई के सौंदर्यीकरण हेतु भू–परिदृष्य योजना विकसित और कार्यान्वित की गई

बुनियादी ढांचे का विकास

विश्वविद्यालय में पहली बार

- कृषि महाविद्यालय, हिण्डोली के नवीन महाविद्यालय भवन और बालिका छात्रावास का निर्माण कार्य 16.4 करोड़ रुपये से 23 माह के रिकार्ड समय में पूर्ण कर शिक्षण कार्य प्रारम्भ किया गया।
- कृषि महाविद्यालय, कोटा के शैक्षणिक सह प्रशासनिक भवन और सड़क का निर्माण कार्य जल्दी पूर्ण हो जायेगा।

अन्य प्रमुख उपलब्धियाँ

- 1.22 करोड़ रुपये की 100 कृषि मशीनरी, 1.43 करोड़ रुपये की 81 प्रयोगशाला उपकरण तथा 3.58 करोड़ रुपये की 25 वाहन सुविधा।
- 2023–25 के दौरान 17.76 करोड़ रुपये की लागत से 103 निर्माण एवं मरम्मत कार्य पूर्ण और 16.16 करोड़ रुपये की लागत से 15 निर्माण एवं मरम्मत कार्य प्रगतिरत।
- विश्वविद्यालय के व्यय के बिना 4.03 करोड़ रुपये के कार्य पूर्ण किये गये –
  - ❖ 3.2 किमी लंबी सिंचाई वितरिका – 1.45 करोड़ रुपये।
  - ❖ 08 बिक्री काउंटर, 2 हॉल और सीसी रोड – 1.08 करोड़ रुपये।
  - ❖ पक्का नाला (600 मीटर लंबा) – 1.50 करोड़ रुपये।

संसाधन सृजन

- 2022–25 के दौरान 43.51 करोड़ रुपये की आय सृजन की, जिसमें से 26.42 करोड़ रुपये बीज, रोपण सामग्री और अन्य कृषि उपज की बिक्री से प्राप्त हुए।
- 2021–22 (10.29 करोड़ रुपये) की तुलना में 2022–25 में औसतन 38% आय वृद्धि हुई।

पुरस्कार

- विश्वविद्यालय के कार्मिकों और विद्यार्थियों को विभिन्न 138 पुरस्कार दिये गये, जिनमें राष्ट्रीय स्तर पर 35, राज्य स्तर पर 18, जिला स्तर पर 21 और विश्वविद्यालय स्तर पर 64 पुरस्कार शामिल हैं।

अंत में, मैं कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के माननीय कुलाधिपति, राजस्थान के राज्यपाल और राजस्थान सरकार के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करना चाहता हूँ जिन्होंने मुझे अपनी जिम्मेदारियों को प्रभावी ढंग से निभाने में हर संभव सहयोग और मार्गदर्शन प्रदान किया। मैं सभी वरिष्ठ अधिकारियों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों के साथ–साथ संविदा कर्मचारियों और श्रमिकों के प्रति उनकी समर्थता और सहयोग के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ। मैं डॉ. एम. सी. गोयल, निदेशक, पी.एम. एण्ड.ई. और पूरी संपादकीय टीम को सभी त्रैमासिक अंकों को समय पर बेहतर तरीके से प्रकाशित करने में उनकी ईमानदारी और समर्पित प्रयासों की सराहना करता हूँ।

(अभय कुमार व्यास)

AUK Newsletter

Agriculture University, Kota

Year : 2025 | Number : 3 | July-September

In this issue.......

- Salient Accomplishments
  - -Education
  - -Research
  - -Extension
  - -HRD
  - -Administration
- Important Meetings
- Major Events
- Infrastructure Development
- Participation of Staff in Seminar/ Conferences/ Workshops / Winter/ Summer School and Trainings, etc.
- Awards and Recognitions
- Visit of dignitaries
- Publications

Patron

Dr. Abhay Kumar Vyas
Hon'ble Vice Chancellor

Chief Editor

Dr. Mukesh Chand Goyal
Director (PM&E)

Editors

Dr. Kamal Chand Meena
Professor (Ext. Edu.)

Dr. Krishna Murari Sharma
Professor (Agronomy)

Dr. Lokesh Kumar Meena
Asstt. Prof. (Agri. Economics)

Dr. Chaman Kumari Jadon
Asstt. Prof. (Agronomy)

Dr. Anchal Sharma
Asstt. Prof. (Wildlife Management)

From the Desk of Vice Chancellor....

The current quarter is the last quarter of my present tenure of 03 years to serve the University with Ownership, Passion, Positivity and the sense of Spirituality. I take this opportunity to share a brief account of the University accomplishments of the last 03 years particularly which has been achieved first time after the establishment of the University on 14th September, 2013. The University has excelled in all the spheres as Academics, Research, Extension, HRD, Administrative & Financial Reforms, Infrastructure Development, Green Initiatives, Entrepreneurship & Startups and Recognitions, etc.

Academics

First Time in AU,Kota

- Obtained 2F Certificate of UGC.
- First in Rajasthan to implement 6th Deans Committee Report based on NEP-2020.
- Obtained ICAR accreditation for CoA, Kota and following programmes up to March, 2029:-
  - B.Sc. (Hons.) Agriculture
  - M.Sc. (Agri.) - Agronomy, GPB and Ext. Edu.
  - Ph.D. - Agronomy & GPB
- Received approval from the State Government for State Institute of Food Technology Entrepreneurship and Management (SIFTEM) at Sawai Madhopur.
- Provided Teaching opportunity to Ph.D. students to take UG classes for future preparedness with a remuneration of Rs. 500/- per class.
- First of its kind, a novel programme KULPATI-VIDHYARTHI SANWAD was initiated for mentoring, counselling and guidance of students by me and about 1,148 UG & PG students in 23 sessions of 03 colleges were motivated towards their life goals.
- A new initiative of inviting School Students & Teachers of 9-12th classes to see various units of the University and to interact with the experienced scientists for creating interest in agricultural science and career. More than 16,200 students and teachers visited various units including Agriculture Education Museum.

Other Major Accomplishments

- Students' enrolment increased to 3,000 (26%) during 2024-25 over 2023-24 (2,383).
- Sixth, Seventh and Eighth Convocations of the University were organized and awarded degree to 1180 UG, PG and Ph.D. students including 47 gold medals.
- Students received ICAR-SRF (01), ICAR-JRF (12), ICAR-NET (35), National Research Fellow (02) and different fellowships (1,428).
- 142 students selected as Asstt. Professors, SMS, TA, Agriculture Supervisors etc. in the Government (46) and private (96) sector from constituent colleges.

Research

First Time in AU,Kota

- Approval for new Centre of ICAR-AICRP on Fruits with Citrus (Sweet Orange & Mandarin) as the mandate crops at the College of Horticulture & Forestry, Jhalawar.
- Approval of Voluntary Centre of ICAR-AICRP on Wheat & Barley as well as Seed Production Centre of Wheat & Barley at ARS, Kota.
- Provided cash award of Rs. 10,000 to Rs. 20,000/-with appreciation certificate for bringing externally funded project costing Rs. 50.00 Lakh and more which increased the number of such projects from 01 to 08.
- Provided incentives of Rs. 7,000-10,000/- for publishing the quality research papers in Journals of NAAS rating 7.00 & above which increased the number of quality research papers >10.00 NAAS rated journals to double.

- University signed 28 MOUs including International Institute, ICRISAT, Hyderabad.
- Introduced Agri-Drone for research and demonstration purposes in the University.
- Varieties Deveoped/Released/Notified : 10 (Lentil -2; Urdbean-1; Chickpea – 6, Linseed -1)
- Production Teachnologies included in PoP : 110 (Crop Improvement -23; Crop Production -38; Crop Protection -20 and Horticulture - 29)

Other Major Accomplishments

- On-going 63 Externally funded projects including ICRISAT and DST amounting Rs 36.90 Crore
- University produced 43,092 q quality seed and 12,91,359 number of planting materials during 2022 - 2025.
- 6.71 ha land encroached at MAF, Ummedganj, Kota has been taken into possession after 31 years and appropriate fencing has been done.
- Kota Masoor-6 variety of lentil developed by the University has been included in the 109 new varieties released for the country by the Hon'ble Prime Minister of India on 11th August, 2024 at IARI, New Delhi.
- 256 quality research papers have been published in NAAS rated Journal during 2022-24.

Extension

First Time in AU,Kota

- Hon'ble Governor of Rajasthan appreciated the work of the University for the development of adopted villages Kanvas and Anwa under University Social Responsibility (USR) Programme for three consecutive years i.e. 2022 -2024.
- Established Common Incubation Centre (CIC) for coriander, garlic processing and bakery at KVK, Kota (Rs. 3.00 crores) funded by Ministry of Food Processing Industries, GOI, New Delhi.
- Installed an outdoor LED display at the man gate of the University to share University's activities, weather information and advisory among farmers and other stackholders through out day-night.

Other Major Accomplishments

- New Projects have been sanctioned for KVK, Anta (Rs. 91.12 lakh) and Karauli (Rs. 139.40 lakh) funded by the DST and NITI Ayog, respectively.
- Organization of 434 on-campus and 446 Off-campus training for capacity building and skill development of about 30,011 participants.
- Organization of 19,198 FLDs covering 8522 ha with 12 to 38 percent higher yield and returns.
- Organization of 10,277 extension activities to create awareness among 7,31,100 farmers and stakeholders.
- Registeration of 2,80,029 farmers on Kisan Sarthi Portal.
- Development and documentation of 88 Success stories.
- Facilitated formulation/technical support to 21 FPOs.

Entrepreneurship Development and Startup Initiatives

- University has successfully empowered 1,081 aspiring partners through 43 skill-based training during 2022-25, out of them 333 partners established their enterprise units with an annual income of Rs up to 12.00 Lakh.

Training (HRD)

First Time in AU,Kota

- First in the State to formulate and implement Training Policy of Agriculture University, Kota for strategic Human Resource Development in the University and 100% staff of the University trained under this policy within 13 months.

Administrative/Management

First Time in AU,Kota

- Formulated and implemented Guidelines for Revolving Fund Utilization; Guidelines for College Students Fund Management; Guidelines for Seed, Processing and Marketing; and Guidelines for Cadre-wise Entitlement of Furniture in AU, Kota.
- Formulated and implemented Awards for Best Teacher/Research Scientist/ Extension Educationist.
- Designed & developed Bilingual Website and Bilingual Newsletter of the AUK.
- First time write off of old stocks in 11 units of AUK since University establishment (2013). First time in 5 units since their establishment (1992 -2006)
- Established "Staff Club" for teaching, non-teaching staff of Admin. Block and SOC members of AUK.

Other Major Accomplishments

Direct Selection

- Recruited 42 personnel on various 11 non-teaching cadre posts.
- Recruited 47 personnel on various 06 teaching cadre posts in various disciplines.
- Appointed 03 persons on compassionate grounds (02 as Clerk Grade-II and 01 as Lab Assistant).

Promotion

- Provided ACP and MACP benefits to 38 and 16 Class-IV employees, respectively on 9/18/27 years' service.
- Provided Departmental Promotion to 19 employees including 03 Class IV employees.
- Provided promotion to 67 Teaching staff under CAS.

General Administration

- Budget allocation from various sources (State Govt. / ICAR / Others) increased by 22.8 and 48.7% during 2023-24 and 2024-25, respectively over 2022-23 (Rs 49.95 Crore).
- Regular full Pension to 116 retired employees from University Funds.
- 85% of Administrative Block of University made air conditioned with a saving of Rs. > 10 Lakh/year with better electricity management and installation of Solar System.
- Resolved 40 of court cases out of long pending 97 cases with 85% success rate in University favour.

Green Initiatives

- About 35,852 plants were planted at various units of the University with >95% success rate.
- University enhanced its solar energy production capacity by 350 KWA (473% increase), resulting in a 40–45% reduction in the main campus electricity bill.
- Developed and implemented landscaping plan for each functional units for beautification.

Infrastructure Development

First Time in AU,Kota

- Construction of Academic cum Administrative Building, Hostels and Road at CoA, Hindoli (Bundi) with outlay of Rs. 16.40 Crore. Construction of CoA, Hindoli completed in 23 months and regular Classes started.
- Construction of Academic cum Administrative Building and Road at CoA, Kota with outlay of Rs 16.00 Crore to be completed soon.

Other Major Accomplishments

- Purchased 100 Farm Machinery/ Implements of Rs 1.22 Crore, 81 Lab Equipments/Instruments of Rs 1.43 Crore and 25 Vehicles of Rs 3.58 Crore.
- 103 Construction & Repair Works completed (2023-25) costing Rs 17.76 Crore and 15 Construction & Repair Works are in progress costing Rs. 16.16 Crore.
- Without Expenditure of University (Rs. 4.03 Crore), works completed:
  - ❖ Distributary (3.2 km long) – Rs 1.45 Crore
  - ❖ 08 Sale Counters & 02 Halla and CC Road – Rs 1.08 Crore
  - ❖ Pucca Nala (600 m long) – Rs 1.50 Crore

Resource Generation

- Rs 43.51 Crore were generated during 2022-25, out of which Rs 26.42 Crore through sale of Seeds, Planting materials and other farm produce.
- On an average (2022-25), 38% increase in the revenue over 2021-22 (Rs. 10.30 Crore).

Awards

- University staff and students received various 138 awards/recognitions during 2022-25 (National level - 35, State level – 18, District level - 21 and University level - 64).

At last, I would like to express my deep sense of gratitude to the Hon'ble Chancellor of Agriculture University, Kota & Governor of Rajasthan and the Government of Rajasthan for providing all support and guidance to fulfil the responsibilities effectively. I express my sincere thanks to all the Senior Officers, Faculty & Staff as well as Contractual Staff and Labourers for their support and cooperation. I appreciate the sincere and dedicated efforts of Dr M C Goyal, Director, PM&E and the entire Editorial Team for bringing all the quarterly issues timely and nicely.

(Abhay Kumar Vyas)

प्रमुख उपलब्धियां

शिक्षा

ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव और कृषि–औद्योगिक अनुलग्नक अभिमुखता कार्यक्रम

कृषि महाविद्यालय, कोटा, हिंडोली तथा उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ ने क्रमशः 28 अगस्त से 4 सितंबर 2025, 1–7 सितंबर 2025 और 1–14 सितंबर 2025 के दौरान स्टूडेंट रेडी योजना के अंतर्गत ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव और कृषि–औद्योगिक अनुलग्नक अभिमुखता कार्यक्रम आयोजित किये। इसका उद्देश्य स्नातक (ऑनर्स) के अंतिम वर्ष के छात्रों को ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव और कृषि–औद्योगिक अनुलग्नक कार्यक्रमों के उद्देश्य, संरचना और अपेक्षाओं से परिचित कराना था। विशेषज्ञों द्वारा ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम छात्रों को ग्रामीण जीवन, कृषि प्रणालियों और गाँवों में प्रसार गतिविधियों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करता है, जबकि कृषि–औद्योगिक अनुलग्नक कार्यक्रम कृषि–उद्योगों, प्रसंस्करण इकाइयों और कृषि व्यवसाय उद्यमों में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करता है।

स्नातक परिणाम घोषित

शैक्षणिक सत्र 2024–25 के स्नातक (ऑनर्स) उद्यानिकी एवं वानिकी प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के प्रथम सेमेस्टर तथा स्नातक (ऑनर्स) कृषि, उद्यानिकी एवं वानिकी अंतिम वर्ष के प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर के परिणाम घोषित किये गये।

अनुसंधान

नई भा.कृ.अनु.प–अखिल भारतीय समन्वित फल अनुसंधान परियोजना (संतरा एवं नारंगी) स्वीकृत

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा कृषि विश्वविद्यालय कोटा के उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड पर एक नई अखिल भारतीय समन्वित फल अनुसंधान परियोजना, (संतरा एवं नारंगी) स्वीकृत की गई।

भा.कृ.अनु.प.–अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना, गेहूं एवं जौ स्वैच्छिक केन्द्र 2017 के बाद पुनः प्रारंभ

भा.कृ.अनु.प.–भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान, करनाल द्वारा कृषि अनुसंधान केन्द्र, उम्मेदगंज, कोटा पर अखिल भारतीय समन्वित गेहूं एवं जौ अनुसंधान परियोजना (स्वैच्छिक केन्द्र) को 2017 के बाद पुनः प्रारंभ किया गया।

अखिल भारतीय प्राकृतिक खेती नेटवर्क कार्यक्रम की प्रथम वार्षिक समूह बैठक

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा एवं भा.कृ.अनु.प.– भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान, मोदीपुरम, मेरठ द्वारा संयुक्त रूप से अखिल भारतीय प्राकृतिक खेती नेटवर्क कार्यक्रम की प्रथम (स्कीम की 20वीं) वार्षिक समूह बैठक का आयोजन 26 से 28 सितम्बर, 2025 के दौरान कृषि विश्वविद्यालय, कोटा में किया गया। उद्घाटन सत्र के दौरान मंच पर डॉ. एम.एल. जाट, माननीय सचिव (कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग) एवं महानिदेशक (भा.कृ.अनु.प.), डॉ. ए.के. नायक, उपमहानिदेशक (प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन), डॉ. एस.के. शर्मा एवं डॉ. राकेश कुमार, सहायक महानिदेशक, डॉ. सुनील कुमार, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.–भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान, मोदीपुरम, मेरठ, श्री ताराचंद गोयल, निदेशक श्रीरामशांताय जैविक कृषि अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र, कोटा एवं माननीय कुलगुरू अभय कुमार व्यास, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा ने उदघाटन सत्र की अध्यक्षता की। इस तीन दिवसीय बैठक में 16 राज्यों के 20 केन्द्रों से आए वैज्ञानिकों, देश भर के 15 गैर–सरकारी संगठनों एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों के प्रसार वैज्ञानिकों, भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों, पद्म श्री कृषक श्री हुकुम चन्द पाटीदार एवं गुजरात से आये प्रगतिशील कृषकों, विश्वविद्यालय के अधिकारियों,

SALIENT ACCOMPLISHMENTS

EDUCATION

RAWE and AIA orientation programme

College of Agriculture, Kota, Hindoli and CH&F, Jhalawar organized the RAWE and AIA orientation programme under the Student READY scheme during 28th August to 4th September 2025, 1-7th September, 2025 and 1-14th September, 2025, respectively. The objective was to acquaint B.Sc. (Hons.) final year students with the purpose, structure, and expectations of the RAWE and AIA programmes. Experts explained that the RAWE programme enables students to gain practical exposure to rural life, farming systems and extension activities in villages, whereas the AIA programme offers hands-on experience in agro-industries, processing units and agribusiness enterprises.

UG Result Declared

The results of the First Semester of B.Sc. (Hons.) Horticulture and Forestry First, Second and Third Year and First & Second Semester of B.Sc. (Hons) Agriculture, Horticulture & Forestry Final Year of the Academic Session 2024-25 have been declared.

RESEARCH

New ICAR-AICRP Centre on Fruits (Mandarin & Sweet orange) sanctioned

ICAR, New Delhi has sanctioned a new AICRP centre on Fruits (Mandarin & Sweet orange) at College of Horticulture & Forestry, Jhalawar of Agriculture University, Kota.

ICAR-AICRP Voluntary Centre on Wheat & Barley restarted after 2017

ICAR-AICRP on Wheat & Barley (Voluntary Centre) has been restarted by ICAR-IIWBR, Karnal at Agricultural Research Station, Ummedganj, Kota after 2017.

First Annual group meeting of AINP on Natural Farming

Agriculture University, Kota and ICAR-IIFSR, Modipuram organised First (XX of Scheme) Annual Group Meet of All India Network Programme on Natural Farming at Agriculture University Kota during 26th to 28th September, 2025. During the inaugural session of the AGM, the dais was graced by Dr. M.L. Jat, Hon'ble Secretary (DARE) and Director General (ICAR), Dr. A.K. Nayak, DDG (NRM), Dr. S.K. Sharma and Dr. Rakesh Kumar, ADG, Dr. Sunil Kumar, Director, ICAR-IIFSR, Modipuram, and Sh. Tarachand Goyal, Director GGVS, Kota and Dr. A.K. Vyas Hon'ble Vice-Chancellor, AU, Kota. Chaired the Inaugural Session. In this three-days meet, notable participation was observed from scientists representing 20 centres from16 states, extension scientists from 15 NGOs and Krishi Vigyan Kendra across the country, office bearers of the Bharatiya Kisan Sangh, Padma Shri awardee and a progressive farmer Shri Hukum Chand Patidar, progressive farmers from Gujarat, university officials, faculty members, students, scientists from local ICAR institutes, and officers from the

कृविको समाचार पत्र
कृषि विश्वविद्यालय, कोटा
AUK Newsletter
Agriculture University, Kota
जुलाई–सितम्बर, 2025
July - September, 2025

संकाय सदस्यों, छात्रों, स्थानीय भा.कृ.अनु.प. संस्थानों के वैज्ञानिकों तथा कृषि विभाग के अधिकारियों की उल्लेखनीय भागीदारी रही। बैठक में प्राकृतिक खेती से संबंधित अनुसंधान, नवाचार और भविष्य की कार्ययोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

तकनीकी सिफारिशें

कृषि जलवायु क्षेत्र–V के फसल उत्पादन पैकेज में कुल 21 सिफारिशों को विश्वविद्यालय द्वारा शामिल करने की मंजूरी दी गई। जिसमें प्रमुख सिफारिशें निम्न प्रकार है:–

चना

- **कोटा देसी चना 4 (आरकेजी 13–380):** यह किस्म 115–120 दिन में पककर औसतन 30 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज देती है और उपज क्षमता 38 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। यह किस्म समय पर बुवाई, सिंचित परिस्थितियों के लिए उपयुक्त है। इसके बीज भूरे, झुर्रीदार, मध्यम मोटे (100 बीजों का भार 19–24 ग्राम), प्रोटीन (22.83 प्रतिशत) और सूक्ष्म पोषक तत्वों जैसे लौहा, जस्ता और ताँबा से भरपूर होते हैं। यह उकठा और शुष्क जड़ सड़न रोग के प्रति मध्यम प्रतिरोधी है।
- **कोटा देसी चना 5 (आरकेजी 13–515–1):** यह किस्म 120–125 दिन में पककर औसतन 29 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज देती है और उपज क्षमता 34 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। यह किस्म देरी से बुवाई, सिंचित परिस्थितियों के लिए उपयुक्त है। इसके बीज भूरे, झुर्रीदार, मध्यम मोटे (100 बीजों का भार 21–24 ग्राम), प्रोटीन (19.37 प्रतिशत) और सूक्ष्म पोषक तत्वों जैसे लौहा, जस्ता और ताँबा से भरपूर होते हैं। यह उकठा और शुष्क जड़ सड़न रोग के प्रति प्रतिरोधी एवं कॉलररॉट और स्टंट रोग के प्रति मध्यम प्रतिरोधी है।
- **कोटा देसी चना 6 (आरकेजी 19–1):** यह किस्म 110–115 दिन में पककर औसतन 22.16 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज देती है और उपज क्षमता 33 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। यह किस्म समय पर बुवाई, सिंचित परिस्थितियों के लिए उपयुक्त है। इसके बीज भूरे, झुर्रीदार, मध्यम मोटे (100 बीजों का भार 27–29 ग्राम), प्रोटीन (23.6 प्रतिशत) और सूक्ष्म पोषक तत्वों जैसे लौहा और जस्ता से भरपूर होते हैं। यह उकठा, शुष्क जड़ सड़न एवं कॉलररॉट रोग के प्रति प्रतिरोधी से मध्यम प्रतिरोधी है।
- चना की फसल में कॉलर रॉट या उकठा रोग प्रबन्धन हेतु बीज को पेनफ्लुफेन 13.28 प्रतिशत + ट्राइफ्लॉक्सीस्ट्रोबिन 13.28 प्रतिशत एफएस 1.0 मिलीलीटर प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करे। या ट्राइकोडर्मा विरिडी या ट्राइकोडर्मा हर्जियानम 5 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से 50 किलोग्राम गोबर की खाद में मिलाकर जुताई के समय मृदा में प्रयोग करें एवं ट्राइकोडर्मा विरिडी या ट्राइकोडर्मा हर्जियानम 10 ग्राम प्रति किग्रा बीज की दर से बीजोपचार करें।
- चना की फसल में कॉलर रॉट या उकठा रोग दिखाई देते ही कार्बेन्डाजिम 50 प्रतिशत डब्ल्यू. पी 2 किग्रा प्रति हेक्टेयर या कार्बेन्डाजिम 12 प्रतिशत +मैंकोजेब 63 प्रतिशत डब्ल्यू. पी 2 किग्रा प्रति हेक्टेयर 1000 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव इस प्रकार करें कि दवा पौधे के तने से होकर जमीन की सतह तक पहुंचे। या ट्राइकोडर्मा विरिडी 5 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से 50 किग्रा वर्मीकम्पोस्ट में मिलाकर खेत में भुरकाव कर सिंचाई करें। ट्राइकोडर्मा को वर्मीकम्पोस्ट में 7 दिवस पूर्व मिलाकर छायादार स्थान पर रख लें।

Department of Agriculture. The meeting included detailed discussions on research, innovations and future action plans related to natural farming.

Technology Recommendations

Twenty-one recommendations were approved for inclusion in Package of Practices for the Agro-Climatic Zone-V by the University. Some major recommendations are as follow:-

Chickpea

- **Kota Desi Chana 4 (RKG 13-380):** It matures in 115-120 days and gives an average yield of 30 q/ha and yield potential of 38 q/ha. This variety is suitable for timely sown, irrigated conditions. It has brown, wrinkled, medium bold seed (100-seed weight 19-24g), rich in protein (22.83%) and micronutrients *viz.*, iron, zinc and copper. It is moderately resistant to wilt and dry root rot disease.
- **Kota Desi Chana 5 (RKG 13-515-1):** It matures in 120-125 days and gives an average yield of 29 q/ha and yield potential of 34 q/ha. This variety is suitable for late sown, irrigated conditions. It has brown, wrinkled, medium bold seed (100-seed weight 21-24g), rich in protein (19.37%) and micronutrients *viz.*, iron, zinc and copper. It is resistant to wilt, dry root rot, moderately resistant to collar rot and stunt disease.
- **Kota Desi Chana 6 (RKG 19-1):** It matures in 110-115 days and gives an average yield of 22.16 q/ha and yield potential of 33 q/ha. This variety is suitable for timely sown, irrigated conditions. It has brown, medium bold seed (27-29g/100 seed weight), rich in protein (23.6%) and micronutrients *viz.*, iron and zinc. It has moderately resistant reaction against major diseases *viz.*, wilt, dry root rot, collar rot.
- Seed treatment with Penflufen 13.28% w/w + Trifloxystrobin 13.28% w/w FS (Ready mix) @ 1.0 ml/kg or soil application of *Trichoderma viride* or *Trichoderma harzianum* @ 5 kg/ha mixed with 50 kg FYM during field preparation and seed treatment with *Trichoderma viride* or *Trichoderma harzianum* @ 10 g/kg seed is effective for the management of collar rot/wilt in chickpea.
- The application of carbendazim 50% WP @ 2 kg/ha or carbendazim 12% + mancozeb 63% WP @ 2 kg/ha in 1000 litre water (spray near to collar & soil surface) or the application of *Trichoderma viride* @ 5 kg/ha mixed with 50 kg vermicompost followed by irrigation is effective for controlling collar rot / wilt disease of chickpea after disease appearance. *Trichoderma* should be incubated with vermicompost for 7 days prior to soil application.

जैविक चना

- जैविक खेती मे चने के कॉलर रॉट रोग के प्रभावी प्रबंधन हेतु ट्राइकोडर्मा विरिडी से 6 ग्राम प्रति किग्रा बीज की दर से बीजोपचार व ट्राइकोडर्मा विरिडी 2.5 किग्रा प्रति हेक्टेयर दर से 50 किलोग्राम गोबर की खाद या वर्मीकम्पोस्ट में मिलाकर जुताई के समय मृदा में प्रयोग करें।

मसूर

- **कोटा मसूर 5 (आर.के.एल 14–175):** मध्यम पकाव अवधि (118 दिन) वाली मसूर की यह किस्म 18 से 20 क्विंटल प्रति हेक्टर उपज देती है। अर्ध–सीधी व एक साथ पकने वाली इस किस्म की पत्तियां तंतु रहित व अंडाकार होती हैं। बीज बडे व खूरे रंग के होते हैं। उकठा रोग के लिए यह मध्यम प्रतिरोधी है।
- मसूर की फसल में कॉलर रॉट या उकठा रोग प्रबन्धन हेतु बीज को पेनफ्लुफेन 13.28 प्रतिशत + ट्राइफ्लॉक्सीस्ट्रोबिन 13.28 प्रतिशत एफएस 1.0 मिलीलीटर प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करे। या ट्राइकोडर्मा विरिडी या ट्राइकोडर्मा हर्जियानम 5 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से 50 किलोग्राम गोबर की खाद में मिलाकर जुताई के समय मृदा में प्रयोग करें एवं ट्राइकोडर्मा विरिडी या ट्राइकोडर्मा हर्जियानम 6 ग्राम प्रति किग्रा बीज की दर से बीजोपचार करें।

सरसों

- सरसों की फसल में तना सड़न रोग प्रबन्धन हेतु ट्राइकोडर्मा विरिडी या ट्राइकोडर्मा हर्जियानम 5 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से 50 किलोग्राम गोबर की खाद में मिलाकर जुताई के समय मृदा में प्रयोग करें एवं ट्राइकोडर्मा विरिडी या ट्राइकोडर्मा हर्जियानम 10 ग्राम प्रति किग्रा बीज की दर से बीजोपचार करें।

गेहूं

- धान के बाद बोये गये गेहूं की अधिक उपज और आर्थिक लाभ के लिए उर्वरकों की अनुशंसित मात्रा (नत्रजनः फॉस्फोरसः पोटाश 120:40:30 किग्रा/हेक्टेयर) के साथ 5 टन/हेक्टेयर गोबर की खाद का प्रयोग करें। यदि गोबर की खाद नहीं डाली गई है तो उर्वरकों की 125 प्रतिशत अनुशंसित मात्रा (नत्रजनः फॉस्फोरसः पोटाश 150:50:37.5 किग्रा/हेक्टेयर) का प्रयोग करें।
- उर्वरकों की अनुशंसित मात्रा के साथ पानी में घुलनशील एनपीके 19:19:19 का 0.5 प्रतिशत घोल (5 ग्राम/लीटर) के दो पर्णीय छिड़काव, कल्ले बनने और बाली बनने की आरंभिक अवस्था पर करने से गेहूं की उपज में वृद्धि होती है।

मेथी

- मेथी की फसल में छाछ्या रोग प्रबन्धन के लिए रोग के लक्षण दिखाई देते ही टेब्यूकोनाजोल 25.9 ईसी / 0.1 प्रतिशत (1 मि.ली./लीटर) की दर से पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। आवश्यकता होने पर 15 दिन बाद पुनः छिड़काव करें।

आलू

- आलू में काली रूसी रोग प्रबन्धन के लिए रोपाई के समय आलू के कंदों का उपचार थिफ्लुजामिड 24.0 एस सी का 0.35 प्रतिशत की दर से उपचारित करें।
- अगेती अंगमारी रोग एवं काली रूसी रोग के प्रबंधन के लिए रोपाई के पहले आलू के कंदों का उपचार ट्राइकोडर्मा विरिडी 8 मिली/लीटर पानी 20 किग्रा कंदों पर कर छाया में 30 मिनट सुखाने के बाद बुवाई करें। इसके अतिरिक्त, ट्राइकोडर्मा विरिडी 5 किग्रा/हेक्टेयर को 100 किग्रा वर्मीकम्पोस्ट में मिलाकर बुवाई के समय मृदा में प्रयोग करें (प्रयोग से 7 दिन पहले वर्मीकम्पोस्ट में मिलाएँ)। साथ ही ट्राइकोडर्मा विरिडी 5 मिली/लीटर पानी का छिड़काव 45 एवं 60 दिन बाद करें।

लहसुन

लहसुन (जैविक पोषक तत्व प्रबंधन)

- जैविक लहसुन उत्पादन हेतु 24 टन गोबर की खाद/हैक्टेयर तथा बीजामृत 50 मि.ली./किग्रा. कलियों का बीजोपचार तथा पंचगव्य 5 प्रतिशत घोल के पर्णीय छिड़काव 20, 40, 60 व 80 दिन पर प्रयोग करें।

अथवा

8 टन गोबर की खाद + 5.33 टन कंपोस्ट खाद व 2.67 टन वर्मीकम्पोस्ट/हैक्टेयर तथा 500 क्रिग्रा. नीम खली सस्यगव्य से समृद्ध कर बुवाई के समय प्रयोग करे व बीजामृत 50 मि.ली./किग्रा. कलियों का बीजोपचार कर बुवाई तथा वर्मीवॉश 10 प्रतिशत घोल के पर्णीय छिड़काव 20, 40, 60 व 80 दिन पर प्रयोग करने से अधिक कन्द उपज प्राप्त होती हैं।

Organic Chickpea

- Seed treatment with *Trichoderma viride* @ 6g/kg seed and soil application of *Trichoderma viride* @ 2.5 kg/ha mixed with 50 kg FYM or vermicompost during field preparation is effective for the management of collar rot in chickpea under organic cultivation.

Lentil

- **Kota Masoor 5 (RKL 14-175):** It is a medium maturing (118 days) lentil variety with an average seed yield of 18-20 q/ha. It is semi-erect & determinate plant type with ovate non-tendrilled leaves and large brown attractive seed (2.77 g/ 100 seed wt.). It is moderately resistant to wilt.
- Seed treatment with Penflufen 13.28% w/w + Trifloxystrobin 13.28% w/w FS (Ready mix) @ 1.0 ml/kg or soil application of *Trichoderma viride* or *Trichoderma harzianum* @ 5 kg/ha mixed with 50 kg FYM during field preparation and seed treatment with *Trichoderma viride* or *Trichoderma harzianum* @ 6 g/kg seed is effective for the management of collar rot/wilt in lentil.

Mustard

- Soil application of *Trichoderma viride or Trichoderma harzianum* @ 5 kg/ha mixed with 50 kg FYM during field preparation and seed treatment with *Trichoderma viride or Trichoderma harzianum* @ 10 g/kg seed is effective for the management of stem rot in mustard.

Wheat

- Apply FYM @ 5 t/ha along with recommended doses of fertilizers (NPK @ 120:40:30 kg/ha). If FYM not applied than use 125% RDF (NPK @150:50:37.5 kg/ha) for higher yield and economic returns of wheat grown after rice.
- Two foliar sprays of water soluble NPK 19:19:19 @ 0.5% at tillering (45-50 DAS) & ear initiation (65-70 DAS) stages along with recommended doses of enhances the yield of wheat.

Fenugreek

- Foliar spray of Tebuconazole 25.9% EC @ 0.1% (1 ml/L) at the initiation of the disease is effective for the management of powdery mildew in fenugreek. Repeat spray after 15 days, if needed.

Potato

- Potato tuber treatment at planting with Thifluzamid 24.0 SC @ 0.35% is effective for the management of black scurf disease of potato.
- To control early blight and black scurf diseases in potato, treat potato tubers by spray of *Trichoderma viride* solution @ 8 ml/l water for 20 kg tuber before planting and dry in shade for 30 minutes. Apply *Trichoderma viride* @ 5 kg/ha mixed with 100 kg vermicompost in the soil at planting time (incubated 7 days before planting). Also, spray *T. viride* solution @ 5 ml/l water at 45 and 60 days after sowing.

Garlic

Garlic (Organic Nutrient Management)

- Apply 100% nitrogen through FYM (24 t/ha) + seed treatment with beejamrut *@ 50 ml/kg cloves* and foliar spray of *Panchagavya* 5% solution at 20, 40, 60 and 80 days after planting.

OR

Apply 100% nitrogen through a combination of FYM (8 t/ha), Compost (5.33 t/ha), and vermicompost (2.67 t/ha) one-third from each source and mixed Neem cake @ 500 kg/ha enriched with sasyagavya at sowing and foliar spray of 10% *Vermiwash* at 20, 40, 60 and 80 days after planting for higher yield of organic garlic.

- लहसुन में थ्रिप्स कीट नियन्त्रण हेतु टोल्फेनपाईराड 15 प्रतिशत ई.सी.का 2.0 मिली/लीटर पानी के घोल का छिडकाव आवश्यकतानुसार 15 दिन के अन्तराल से करें।

स्ट्रॉबेरी
- स्ट्रॉबेरी की फसल में प्रत्येक तीसरे दिन बूँद–बूँद सिंचाई द्वारा (25–30 मिनट) तथा अनुशंसित उर्वरकों की मात्रा (150 नाइटोजन, 100 फास्फोरस, 120 पोटाश किग्रा प्रति हैक्टेयर) का शत प्रतिशत जल घुलनशील उर्वरकों यथा यूरिया (46:0:0) पोटेशियम सल्फेट (0:0:50) एव एनपीके (13:40:13) को 12 समान भागो में विभक्त कर 6–9 दिन के अन्तराल पर बूँद–बूँद सिंचाई जल के साथ (फर्टिगेशन) देने से अधिक उपज प्राप्त होती हैं।

बैंगन
- बैंगन में प्ररोह एवं फल छेदक कीट नियत्रंण हेतु ब्रोफ्लानिलाइड 20 प्रतिशत एस.सी. का 0.25 मिलीलीटर प्रति लीटर या इमामेक्टिन बेंजोएट 5 प्रतिशत एस.सी. का 0.4 ग्राम प्रति लीटर पानी के घोल का छिडकाव आवश्यकतानुसार 15 दिन के अंतराल से करें।

प्याज
- प्याज की नर्सरी में खरपतवार नियन्त्रण हेतु ऑक्सीफ्लोरोफेन 23.5 ई.सी. 0.125 क्रि.ग्रा. सक्रिय तत्व प्रति हेक्टेयर अंकुरण के पहले छिडकाव तथा बुवाई के 30 दिन बाद एक निराई गुडाई करें।

मूली
- मूली में खरपतवार नियन्त्रण हेतु ऑक्सीफ्लोरोफेन 23.5 ई.सी. 0.150 क्रि.ग्रा. सकिय तत्व प्रति हेक्टेयर अंकुरण के पहले छिडकाव तथा बुवाई के 25 दिन बाद एक निराई गुडाई करें।

गाजर
- गाजर में खरपतवार नियन्त्रण हेतु पेन्डीमेथालिन 30 ई.सी. 1.0 क्रि.ग्रा. सकिय तत्व प्रति हेक्टेयर अंकुरण के पहले छिडकाव तथा तथा बुवाई के 25 दिन बाद एक निराई गुडाई करें।

मटर
- मटर में छाछ्या रोग के प्रभावी नियन्त्रण हेतु हैक्साकोनाजोल 5 प्रतिशत ई.सी. 1.0 मि.ली./ली की दर से रोग दिखाई देने पर छिडकाव करें। उसके बाद 15 दिन के अन्तराल पर आवश्यकतानुसार छिडकाव करें।

प्रसार

क्षमता विकास
- कृषि विज्ञान केन्द्र बूंदी पर आर्या परियोजना के अन्तर्गत 7 दिवसीय बकरी पालन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम 30 जून से 7 जुलाई, 2025 के दौरान 30 प्रतिभागियों के लिए आयोजित किया गया।
- कृषि विज्ञान केन्द्र, बूंदी में क्रमशः 19–24 अगस्त और 16–20 सितंबर, 2025 के दौरान कृषि सखी/सीआरपी के दो प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें बूंदी जिले के विभिन्न गांवों से 70 कृषि सखियों ने भाग लिया।

गाजरघास जागरूकता सप्ताह
- कृषि विज्ञान केन्द्र बूंदी, झालावाड एवं कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, अकलेरा पर 16 से 22, अगस्त, 2025 के दौरान 20वां गाजरघास जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमें कृषक व कृषक महिलाओं को खेतों में फसलों के बीच उगने वाली गाजर घास के उन्मूलन व इससे संबंधित होने वाली हानियों के बारे में जागरुक किया।

प्रक्षेत्र दिवस
- कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी द्वारा गांव फालेण्डा तहसील हिण्डोली में उड़द (कोटा उड़द– 4) के कलस्टर प्रथम पंक्ति प्रदर्शन पर एक प्रक्षेत्र दिवस का 16 सितम्बर, 2025 को आदर्श दलहन ग्राम योजनान्तर्गत आयोजन किया गया। जिसमें 48 कृषकों एवं कृषक महिलाओं ने भाग लिया।
- कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़ द्वारा एनएमईओ–ओएस के अंतर्गत सोयाबीन की जेएस 20–98 किस्म पर दो प्रक्षेत्र दिवस 12 और 16 सितंबर, 2025 को जटावा (मनोहरथाना) और कटफला (अकलेरा) में आयोजित किए गए। जिसमें 113 कृषकों एवं कृषक महिलाओं ने भाग लिया।
- कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़ द्वारा 13 सितबर, 2025 को अंबाला (खानपुर) में ओएमवी के अंतर्गत सोयाबीन की जेएस 20–116 किस्म पर प्रक्षेत्र दिवस आयोजित किया गया। जिसमें 54 कृषकों एवं कृषक महिलाओं ने भाग लिया

- Spray of Tolfenpyrad 15% EC @ 2ml/l water at 15 days interval for controlling thrips in garlic.

Strawberry
- Strawberry crop irrigated every third day by drip irrigation (25-30 minutes) and application of recommended doses of fertilizers (NPK@ 150:100:120 kg/ha) through water-soluble fertilizers *viz*., Urea (46:00:00), Potassium Sulphate (0:0:50) and NPK (13:40:13) and in 12 equal splits at an interval of 6-9 days with drip fertigation gives higher yield.

Brinjal
- Spray Broflanilide 20% SC @ 0.25 ml/l or Emamectin benzoate 05 % SC @ 0.40 g/litre at 15 days interval to control fruit and shoot borer in brinjal.

Onion
- Application of Oxyflourfen 23.5 EC @ 0.125 kg *a.i.*/ha as pre-emergence *fb* one hand weeding at 30 DAS is effective for weed control in onion nursery.

Radish
- Application of Oxyflourfen 23.5 EC @ 0.150 kg *a.i.*/ha as pre-emergence *fb* one hand weeding at 25 DAS is effective for weed control in radish.

Carrot
- Application of Pendimethalin 30 EC @ 1.0 kg *a.i.*/ha as pre-emergence *fb* one hand weeding at 25 DAS is effective for weed control in carrot.

Pea
- Spray Hexaconazole 5% EC @1.0 ml/l at disease initiation and repeat at 15 days interval as per need for the control of powdery mildew disease in pea.

EXTENSION

Capacity Development
- Krishi Vigyan Kendra, Bundi organised 07 days “Goat Keeping Training Programme” under the ARYA Project for 30 participants during 30th June to 7th July, 2025.
- Two training programmes on Krishi Sakhi/CRP were organized at the Krishi Vigyan Kendra, Bundi during 19th-24th August, 2025 and 16th-20th September, 2025, respectively, in which 70 Krishi Sakhis participated from various villages of Bundi district.

Parthenium Awareness Week
- The 20th Parthenium Awareness Week organized at Krishi Vigyan Kendra, Bundi, Jhalawar and ARSS, Aklera during 16-22nd, August, 2025. In which farmers and farm women were made aware about the importance of parthenium eradication and the associated harms.

Field day
- Krishi Vigyan Kendra, Bundi organised a field day on cluster first line demonstrations of the black gram (Kota Urd-4) in village Phalenda, Tehsil Hindoli on 16th September, 2025 under the Model Pulse Village Scheme, in which 48 farmers and farm women participated.
- Krishi Vigyan Kendra, Jhalawar organised two field days on JS 20-98 variety of Soybean under NMEO-OS at Jatawa (Manoharthana) and Katphala (Aklera) on 12th and 16th September, 2025 respectively. In which total 113 farmers and farm women participated.
- Krishi Vigyan Kendra, Jhalawar organised field day on JS 20-116 variety of Soybean under OMV at Ambala (Khanpur) on 13th September, 2025. In which 54 farmers and farm women participated.

मानव संसाधन विकास

नवनियुक्त शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए सामान्य प्रेरण एवं आमुखीकरण कार्यक्रम

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा 20 अगस्त से 20 सितंबर, 2025 तक विश्वविद्यालय के नवनियुक्त शैक्षणिक कर्मचारी (आचार्य, सह–आचार्य, सहायक–आचार्य, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष और विषय वस्तु विशेषज्ञ) के लिए "सामान्य प्रेरण एवं अभिमुखीकरण कार्यक्रम" पर एक माह का प्रशिक्षण आयोजित किया। अभिमुखीकरण कार्यक्रम के दौरान, नवनियुक्त 43 कार्मिकों ने विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों, भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र, अजमेर और भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर का भ्रमण किया। यह अभिमुखीकरण कार्यक्रम नवनियुक्त कर्मचारियों को विश्वविद्यालय के विजन, मिशन, संगठनात्मक संरचना, नीतियों और कार्यप्रणाली से परिचित कराने के लिए आयोजित किया गया था।

प्रशासनिक

शैक्षणिक पदों पर सीधी भर्ती

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा विभिन्न पदों पर कुल 47 शैक्षणिक स्टाफ की भर्ती की गई, जिनमें आचार्य (01), सह–आचार्य (07), सहायक–आचार्य (27), वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष (04), सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष (03) तथा विषय वस्तु विशेषज्ञ (04) शामिल हैं।

कैरियर एडवांसमेंट स्कीम योजना के तहत शिक्षकों की पदोन्नति

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा कुल 32 शिक्षकों को कैरियर उन्नयन योजना (CAS) के अंतर्गत पदोन्नति दी गई, जिनमें 04 सहायक–आचार्य को सह–आचार्य (AL-12 से AL-13A) तथा 28 सह–आचार्य को आचार्य (AL-13 से AL-14) के पद पर पदोन्नत किया गया है।

विश्वविद्यालय स्थापना दिवस एवं हिन्दी दिवस

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा का 13वां स्थापना दिवस 14 सितम्बर, 2025 को कृषि विश्वविद्यालय, कोटा परिसर में स्थित कृषि प्रौद्योगिकी प्रबन्धन एवं गुणवत्ता सुधार केन्द्र के सभागार में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम डॉ. अभय कुमार व्यास, माननीय कुलगुरू महोदय, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. लक्ष्मण सिंह राठौड़, पूर्व महानिदेशक, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. बी.पी. सारस्वत, माननीय कुलगुरू, कोटा विश्वविद्यालय, कोटा एवं डॉ. योगेन्द्र मणि कौशिक, वरिष्ठ हिन्दी साहित्यकार एवं कवि, कोटा रहे। विश्वविद्यालय के समस्त अधिष्ठातागण, निदेशकगण, कुलसचिव, वित्त नियत्रंक, परीक्षा नियत्रंक, भू–सम्पदा अधिकारी, विभिन्न इकाईयों के प्रभारी अधिकारी, शैक्षणिक व अशैक्षणिक कर्मचारी एवं सेवानिवृत अधिकारीगण कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के द्वारा विभिन्न कृषक हितार्थ प्रकाशनों कृषि विश्वविद्यालय कोटा–पेसिंग अहेड, द्विभाषीय कृषि विश्वविद्यालय कोटा त्रैमासिक समाचार पत्र तथा चार मैनुअलों का अतिथियों के द्वारा विमोचन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कार्मिकों को उनके द्वारा किये गये उल्लेखनीय कार्य के लिए सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान वैज्ञानिक पुरस्कार डॉ. जे. पी. तेतरवाल एवं सर्वश्रेष्ठ प्रसार शिक्षाविद् पुरस्कार डॉ. बच्चू सिंह को 10,000 रूपये एवं प्रशंस्ति पत्र द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा हिन्दी दिवस भी मनाया गया। इस अवसर पर माननीय अतिथियों द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया।

HUMAN RESOURSE DEVELOPMENT

Common Induction Cum Orientation Programme for Newly Recruited Teaching Staffs

Agriculture University, Kota organised one month training on "Common Induction Cum Orientation Programme for Newly Recruited Teaching Staffs (Professor, Associate Professor/Sr. Scientist and Head, Assistant Professor, Assistant Librarian and SMS)" of the University during 20th August to 20th September, 2025. Newly recruited 43 personnels visited various units of the University, NRCSS, Ajmer and CAZRI, Jodhpur during this orientation. This orientation was organised to familiarize newly recruited staffs with the vision, mission, organizational structure, policies and functioning of the university.

ADMINISTRATION

Direct Recruitment of Teaching Staff

Agriculture University, Kota recruited 47 teaching staffs on various posts like; Professor (01), Associate Professor (07), Assistant Professor (27) Senior Scientist & Head (04), Assistant Librarian (03) and SMS (04).

Teachers Promotion under the CAS Scheme

A total of 32 faculty members of Agriculture University, Kota were promoted under the Career Advancement Scheme (CAS), which includes 04 Assistant Professors promoted to Associate Professors (from stage L-12 to AL-13A) and 28 Associate Professors promoted to Professors (from stage AL-13 to AL-14)

University Foundation Day and Hindi Diwas

The 13th Foundation Day of the Agriculture University, Kota was celebrated with great enthusiasm on 14th September, 2025, in the Conference Hall of ATMQIC Building, Agriculture University, Kota. This programme was organized under the chairmanship of Dr. Abhay Kumar Vyas, Hon'ble Vice Chancellor, Agriculture University, Kota. The chief guest of the programme was Dr. Laxman Singh Rathore, former Director General, Indian Meteorological Department, Government of India, New Delhi, and the special guests were Dr. B.P. Saraswat, Hon'ble Vice Chancellor, Kota University, Kota and Dr. Yogendra Mani Kaushik, Hindi Literature Specialist & Kavi (Poet), Kota. All Deans, Directors, Registrar, Comptroller, COE, Estate Officer, Officers-in- Charge of various units, Teaching and Non-Teaching staff along with retired officers were present during the programme. On this special occasion, various farmer-friendly publications of the university, including AUK-Pacing Ahead, Bilingual AUK Quarterly Newsletter and four manuals were released by the guests. During the event, the university personnel were fecilated for their outstanding work, Dr. J.P. Tetarwal was honoured with the Best Research Scientist Award and Dr. Bachchu Singh was honoured with the Best Extension Educationist Award along with the cash of Rs. 10,000 and appreciation certificate. Along with University Foundation Day, the Hindi Day was also celebrated by the university. On this occasion, tree plantation was done in the university campus by the honorable guests.

कृविको समाचार पत्र
कृषि विश्वविद्यालय, कोटा
AUK Newsletter
Agriculture University, Kota
जुलाई–सितम्बर, 2025
July - September, 2025

महत्वपूर्ण बैठकें

प्रबन्ध मण्डल बैठक

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की 27वीं प्रबंध मंडल (बोम) की बैठक 2 जुलाई, 2025 को विश्वविद्यालय के सभागार भवन में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के माननीय कुलगुरू डॉ. अभय कुमार व्यास ने की। इस बैठक में, करियर एडवांसमेंट स्कीम के अंतर्गत सहायक–आचार्य और सह–आचार्य को पदोन्नति प्रदान करने के महत्वपूर्ण निर्णयों को प्रबन्ध मण्डल द्वारा अनुमोदित किया गया। चयन समिति की सिफारिश पर विभिन्न संकाय विषयों के 46 पदों पर भर्ती को भी प्रबन्ध मण्डल द्वारा अनुमोदित किया गया।

वैज्ञानिक सलाहकार समिति बैठकें

कृषि विज्ञान केन्द्र, अंता (बारां), हिंडौन (करौली), सवाईमाधोपुर, झालावाड, बूंदी और कोटा की वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठकें क्रमशः 12, 13, 14, 18, 19 जुलाई, 2025 और 08 अगस्त 2025 को आयोजित की गई। इन बैठकों में कृषि विज्ञान केन्द्रों की विभिन्न महत्वपूर्ण गतिविधियों की प्रगति समीक्षा की गई और आगामी वर्ष के लिए कार्य योजना पर चर्चा कर सम्बन्धित विभागों से सुझाव लिये गए।

सम्भागीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति बैठक (रबी 2025–26)

संभागीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति बैठक रबी 2025–26 के लिए 18–19 सितम्बर, 2025 को कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा पर आयोजित की गई। डॉ. अभय कुमार व्यास, माननीय कुलगुरू, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा इस बैठक के मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने टिकाऊ कृषि उत्पादन के लिए कृषि रसायनो का उपयोग कम से कम करने की, जलवायु अनुकूल तकनीक और किस्में विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। बैठक में किसानों के लिए उपयोगी रबी की विभिन्न फसलों के लिए 4 नई किस्में, 13 फसल संरक्षण (4 फसल, 1 मसाला फसल एवं 8 उद्यानिकी हेतु), 2 फसल उत्पादन, 2 जैविक फसल संरक्षण एवं उत्पादन सहित कुल 21 नवीन तकनीकी सिफारिशें अनुमोदित की गई। इस बैठक में रबी 2025–26 की कार्य योजना को भी अंतिम रूप दिया गया।

IMPORTANT MEETINGS

Board of Management Meeting

The 27th meeting of the Board of Management (BOM) of the Agriculture University, Kota was conducted on 2nd July, 2025 at Conference Hall of the University. The Meeting was chaired by Dr. Abhay Kumar Vyas, Hon'ble Vice Chancellor, Agriculture University, Kota. In this meeting important decision for granting promotion to Assistant Professors and Associate Professors Under Career Advancement Scheme were approved by BOM. On the recommendation of the Selection Committee for 46 posts in different disciplines were also Approved by BOM.

Scientific Advisory Committee Meetings

The Scientific Advisory Committee meeting of KVK, Anta (Baran), Hindaun (Karauli), Sawai Madhopur, Jhalawar, Bundi and Kota were held on 12th, 13th, 14th, 18th, 19th July and 08th August, 2025, respectively. In these meetings, progress of different mandate activities of the KVKs were reviewed. The action plan for the ensuring year was discussed and suggestion were taken from different line departments.

Zonal Research and Extension Advisory Committee Meeting (*Rabi* 2025-26)

The ZREAC for *Rabi* 2025-26 was organized during 18th-19th September, 2025 at ARS, Ummedganj, Kota. Hon'ble Vice Chancellor, Agriculture University, Kota, Dr. Abhay Kumar Vyas was the chief guest of this meeting. He emphasized the need to minimize the use of agro-chemicals and climate-resilient technologies for sustainable agricultural production. Research work done in *Rabi* was evaluated by officers of the agriculture department and a total of 21 new technical recommendations were approved for benefiting the farmers, including 4 new varieties for various *rabi* crops, 13 crop protection (4 crops, 1 spice crop, and 8 horticulture), 2 crop production, and 2 organic crop protection and production. The action plan of *Rabi* 2025-26 was also finalized in this meeting.

कृविको समाचार पत्र
कृषि विश्वविद्यालय, कोटा
AUK Newsletter
Agriculture University, Kota
जुलाई–सितम्बर, 2025
July - September, 2025

प्रमुख आयोजन

हरियालो राजस्थान वृक्षारोपण कार्यक्रम

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा ने हरियालो राजस्थान अभियान के तहत विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों में कचनार, अमलताश, अर्जुन, जंगल जलेबी, गुलमोहर, करंज और टिकोमा बेल आदि विभिन्न प्रजातियों के 15,000 से अधिक पौधे लगाए।

एंटी–रैगिंग सप्ताह एवं दिवस आयोजन

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के सभी संघटक महाविद्यालयों में 12–18 अगस्त, 2025 के दौरान "एंटी–रैगिंग सप्ताह" मनाया गया और 12 अगस्त, 2025 को "एंटी–रैगिंग दिवस" मनाया गया। इस दौरान रैगिंग की रोकथाम पर एक व्याख्यान और सप्ताह के दौरान एंटी–रैगिंग के प्रति जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया।

खेल सप्ताह एवं राष्ट्रीय खेल दिवस

विश्वविद्यालय के सभी संघटक महाविद्यालयों में राष्ट्रीय खेल सप्ताह का आयोजन 26–31 अगस्त, 2025 के दौरान किया गया। सप्ताह के दौरान शतरंज, दौड़, बैडमिंटन, टेबल–टेनिस, कबड्डी, बास्केटबॉल जैसी विभिन्न खेल गतिविधियाँ आयोजित की गई। 29 अगस्त 2025 को राष्ट्रीय खेल दिवस भी मनाया गया।

स्वतंत्रता दिवस

कृषि विश्वविद्यालय व इसकी विभिन्न इकाईयों में 78वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। माननीय कुलगुरू, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और विश्वविद्यालय के कर्मचारियों एवं छात्रों को संबोधित किया। साथ ही मैत्री खेल भी स्टाफ के सदस्यों द्वारा खेले गये और इस राष्ट्रीय पर्व पर पौधारोपण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। 14 अधिकारियों/ कर्मचारियों को उनके उल्लेखनीय कार्यो के लिए प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया गया और नई पहल के तहत माननीय कुलगुरू महोदय ने स्वयं की तरफ से संविदा के 06 श्रमिक कार्मिकों को नगद पुरूस्कार से सम्मानित कर उनके कार्य की सराहना की।

राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस समारोह

कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज, कोटा में राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस 24 सितम्बर, 2025 को मनाया गया। इस कार्यक्रम में माईभारत पोर्टल और डिजिटल इंडिया विषयों पर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी शामिल थी, जिसका उद्देश्य छात्रों और युवाओं में डिजिटल सशक्तिकरण के बारे में जागरूकता फैलाना था। माईभारत पोर्टल के माध्यम से नए स्वयंसेवकों के लिए एक विशेष पंजीकरण अभियान भी चलाया गया, जिसमें कुल 50 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।

नई नियुक्त शिक्षकों के लिए एक्सपोजर विजिट

कृषि महाविद्यालय कोटा द्वारा 28–31 जुलाई 2025 के दौरान नई नियुक्त शिक्षकों की चार दिन की एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया गया। नवनियुक्त शिक्षकों को विश्वविद्यालय की विभिन्न ईकाइयों, श्री रामशांताय जैविक कृषि अनुसंधान केन्द्र, जाखोड़ा, नीबू उत्कृष्ठता केन्द्र, नांता फार्म, भा.कृ.अनु.प.– भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान, अनुसंधान केंद्र, कोटा का भ्रमण करवाया गया।

MAJOR EVENTS

Hariyalo Rajasthan Plantation Programme

Agriculture University, Kota planted more 15,000 plants of various species *Kachnaar, Amaltash, Arjun, Jungal jalebi, Gulmohar, Karanj* and *Tikoma bel etc* under Hariyalo Rajasthan campaign at various units of the University.

Anti-ragging week and Day Organised

All the constituent colleges of AU, Kota has organised "Anti-ragging week" from 12th -18th August, 2025. While "Anti-Ragging Day" was celebrated on 12th August, 2025. During the celebration a lecture on "Prevention of Ragging in the Campus" and awareness activities were organized.

Sport Week & National Sport Day

National sports week was organized during 26 - 31 August, 2025 in the constituent colleges of AU, Kota. Various sports activities like Chess, Running, Badminton, Table-Tennis, Kabaddi, Basketball were organized during the week. National Sports Day was also celebrated on 29th August, 2025.

Independence Day

The 79th Independence Day was celebrated with great zeal at Agriculture University, Kota and its various units. Hon'ble Vice Chancellor, AU, Kota hoisted the National Flag and addressed the university staff and students. On this National festival, friendly games were also organized for the staff members and plantation activities were carried out in the campus. During the event, 13 officers/employees were felicitated with appreciation letters for their outstanding works, while under the new initiative, the Hon'ble Vice Chancellor appreciated the work of 06 contractual workers also and honored them himself with cash prizes.

NSS Day Celebration

College of Agriculture, Ummedganj, Kota celebrated National Service Scheme Day. The event included a quiz competition on the themes Mybharat Portal and Digital India aimed at spreading awareness among the students and youth about digital empowerment. A special registration drive also for new NSS volunteers was organized through the My Bharat Portal, Total more than 50 students were participated.

Exposure visits for Newly appointed staff

Four-days visit of newly appointed teaching staff was organized by College of Agriculture during 28th -31st July, 2025. All the newly appointed staff members visited various units of the University, Shri Ramshantaya Jevik krishi Anusandhaan Aum Prasikshan Kendra, Jhakoda, Centre of Excellence on citrus, Nanta farm and ICAR-IISWC, Kota.

कृविको समाचार पत्र
कृषि विश्वविद्यालय, कोटा
जुलाई–सितम्बर, 2025

AUK Newsletter
Agriculture University, Kota
July - September, 2025

आधारभूत संरचना विकास

- कृषि महाविद्यालय, कोटा में प्रशासनिक भवन का निर्माण के साथ मुख्य प्रवेश द्वार एवं सम्पर्क सडक का कार्य शीघ्र ही पूर्ण होने को है।
- उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ और कृषि महाविद्यालय, कोटा के लिए 30 अगस्त, 2025 को दो नए वाहन महिंद्रा बोलेरो खरीदे गए।

स्थानन शिविर

उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ के 16 छात्रों को दयाल ग्रुप में फील्ड ऑफिसर के पद पर 2.50–3.0 लाख के वार्षिक पैकेज के साथ चयन हुआ।

सेमीनार/सम्मेलन/ कार्यशालाएं और प्रशिक्षण आदि में स्टॉफ की भागीदारी

- डॉ. आशुतोष मिश्र, अधिष्ठाता, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड ने भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी, हैदराबाद द्वारा आयोजित "एग्जीक्यूटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम ऑन लीडरशिप एक्सेलन्स" प्रशिक्षण कार्यक्रम में 08 से 13 सितम्बर 2025 के दौरान भाग लिया।
- डॉ. एम.सी. जैन, निदेशक छात्र कल्याण ने जयपुर में भविष्य की कृषि 2025 पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 09–10 सितम्बर, 2025 के दौरान भाग लिया।
- डॉ. तूलिका आचार्य, विषय वस्तु विशेषज्ञ, कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड ने भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान, भोपाल में सोयाबीन प्रसंस्करण और उपयोग उत्कृष्टता केन्द्र में सोयाबीन प्रसंस्करण और प्रदर्शन इकाई की स्थापना पर मास्टर प्रशिक्षण 14 से 19 जुलाई, 2025 के दौरान भाग लिया।
- डॉ.जे.पी. तेतरवाल, कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा ने थिम्पू, भूटान में "दक्षिण एशिया में कृषि–खाद्य प्रणालियों के सतत परिवर्तन के लिए कृषि–पारिस्थितिकी दृष्टिकोण को बढ़ावा देने" पर सार्क क्षेत्रीय सम्मेलन में 29–31 जुलाई, 2025 के दौरान भाग लिया।

पुरस्कार एवं सम्मान

- 79वां स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, विश्वविद्यालय के 13 शैक्षणिक व अशैक्षणिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विश्वविद्यालय के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए 15 अगस्त, 2025 को प्रशंसा पत्र दिया गया।
- 79वां स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, डॉ. महेन्द्र सिंह तथा उनकी टीम को 15 अगस्त, 2025 को प्रशंसा पत्र दिया गया।
- डॉ.जे.पी.तेतरवाल, आचार्य, कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा ने विश्वविद्यालय के 13वें स्थापना दिवस पर अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान वैज्ञानिक पुरस्कार और प्रशंसा प्रमाण पत्र प्राप्त किया।

- डॉ.बच्चू सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक और अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, हिंडौन सिटी ने विश्वविद्यालय के 13वें स्थापना दिवस पर प्रसार क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रसार शिक्षाविद् पुरस्कार और प्रशंसा प्रमाण पत्र प्राप्त किया।

INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT

- The construction of the administrative building at College of Agriculture, Kota is completion soon along with main entrance gate and approach roads.
- Two new vehicle Mahindra Bolero has been purchased for CH&F, Jhalawar and College of Agriculture, Kota on 30th August 2025.

PLACEMENT CAMP

16 students of College of Horticulture and Forestry, Jhalawar got selected on the post of Field Officer in Dayal Group with an annual package of Rs. 2.50-3.0 lakh.

PARTICIPATION OF STAFF IN SEMINAR / CONFERENCE / WORKSHOP / WINTER/ SUMMER SCHOOL AND TRAININGS

- Dr. Ashutosh Mishra, Dean, College of Horticulture and Forestry, Jhalawar participated in the "Executive development programme on leadership Excellence" at ICAR-NAARM, Hyderabad during 08-13th September 2025.
- Dr M. C. Jain, Director Students' welfare participated national conference on Future Agriculture- 2025 during 09-10th September, 2025 at Jaipur.
- Dr. Tulika Aacharya, SMS, KVK, Jhalawar participated in Master Training on Soybean Processing and Establishing demonstration unit at Centre of Excellence on Soybean Processing and Utilization (CESPU) at ICAR-CIAE, Bhopal during 14th - 19th July, 2025.
- Dr. J.P. Tetarwal, ARS, Kota participated SAARC Regional Conference on "Promoting Agroecological Approaches for Sustainable Transformation of Agri-food systems in South Asia" during 29-31, July, 2025 at Thimphu, Bhutan.

AWARDS AND RECOGNITIONS

- On the occasion of 79th Independence Day, 13 teaching and non-teaching staff were given appreciation certificate for making significant contribution in the growth and development of the university on15th August, 2025.

- On the occasion of 79th Independence Day, Dr. Mahendra Singh, Senior Scientist and Head, Krishi Vigyan Kendra, Kota and his team were given Certificate of Appreciation on 15th August, 2025.
- Dr. J. P. Tetarwal, Professor, ARS, Kota received Best Research Scientist award and appreciation certificate for excellence in the field of Research on 13th Foundation Day of the University.
- Dr. Bacchu Singh, Senior Scientist and Head, KVK, Hindaun City received Best Extension Educationist award and appreciation certificate for excellence in the field of Extension on 13th Foundation Day of the University.

गणमान्य व्यक्तियों का भ्रमण

- डॉ. बी.आर. कम्बोज, माननीय कुलपति, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार ने 05 अगस्त, 2025 को विश्वविद्यालय परिसर की ईकाइयों का भ्रमण किया।

- डॉ. पी. एस. बिरथल, निदेशक राष्ट्रीय भारतीय कृषि अर्थशास्त्र एवं नीति अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली ने 21 अगस्त, 2025 को विश्वविद्यालय की विभिन्न ईकाइयों का भ्रमण किया।
- डॉ. एल.एस. राठौड, पूर्व महानिदेशक, भारतीय मौसम विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली ने 14 सितम्बर, 2025 को विश्वविद्यालय परिसर की ईकाइयों का भ्रमण किया।
- डॉ. के.एम.एल. पाठक, पूर्व उपमहानिदेशक (कृषि शिक्षा), भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली ने 20 सितम्बर, 2025 को विश्वविद्यालय की विभिन्न ईकाइयों का भ्रमण किया।
- डॉ. एम.एल. जाट, सचिव (कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग) एवं महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली ने 26 सितम्बर, 2025 को विश्वविद्यालय की विभिन्न ईकाइयों का भ्रमण किया।

प्रकाशन

- कुमारी, एस., पांडे, एस.बी.एस., प्रह्लाद वी. सी., उपाध्याय, के. और चोपड़ा, आर. (2025)। "प्रोसोपिस सिनेरिया (एल.) ड्रूस के बीजों के अंकुरण और वृद्धि पर वृद्धि मीडिया और प्रकाश तीव्रता का प्रभाव"। प्लांट आर्चिव्स, 25 (2):502–514।
- कुमार, एम., संध्या, कुमार, पी. एवं शर्मा, के. एम. (2025)। राजस्थान के आर्द्र दक्षिण–पूर्वी समतल क्षेत्र में धान की उपज एवं संबंधित गुणों के मूल्यांकन एवं स्थायित्व विश्लेषण का अध्ययन। जर्नल ऑफ एनवायरनमेंटल बायोलॉजी, 46: 564–571।
- बिश्नोई, आर., मीना, पी.के.पी., कोली, एन.आर., मीना एच.पी., टाक, वाई., यादव, आर.के. और बासेर, पी. 2025. भारतीय सरसों की द्विपार्श्विक और एफ3 संततियों का तुलनात्मक विश्लेषण (ब्रेसिका जंसिया (एल.) चेर्न एंड कॉस, इंडियन जर्नल ऑफ जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, 85(3): 445–455

नई नियुक्ति

- 42 नवनियुक्त 25 सहायक आचार्य, 3 सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष, 6 सह–आचार्य, 1 आचार्य, 3 विशय वस्तु विशेषज्ञ और 4 वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्षों ने कृषि विश्वविद्यालय कोटा की विभिन्न इकाईयों पर पदभार ग्रहण किया।
- डॉ. के. सी. मीणा, आचार्य (प्रसार शिक्षा) ने 7 जुलाई 2025 को कृषि महाविद्यालय, कोटा में कार्यभार ग्रहण किया।
- डॉ. बी. एल. ढाका, आचार्य (प्रसार शिक्षा) ने 8 जुलाई 2025 को कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा में कार्यभार ग्रहण किया।
- डॉ. हेमराज छीपा, सहायक आचार्य (सूक्ष्म जीव विज्ञान) ने 9 जुलाई 2025 को कृषि महाविद्यालय, कोटा में कार्यभार ग्रहण किया।

सेवानिवृत्ति

- श्री प्रेम चन्द नागर, कृषि पर्यवेक्षक, कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा से 31 जुलाई, 2025 को सेवानिवृत हुए।
- श्री ग्यारसी लाल सुमन, सहायक अनुभाग अधिकारी, कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा से 30 सितम्बर, 2025 को सेवानिवृत्त हुए।

VISIT OF DIGNITARIES

- Dr. B.R. Kamboj, Honorable Vice Chancellor, CCHAU, Hisar visited the units of the University campus on 5th August, 2025.
- Dr. P.S. Birthal, Director, National Indian Institute of Agricultural Economics and Policy Research, New Delhi visited various units of the University on 21st August, 2025.
- Dr. L.S. Rathore, former Director General, Indian Meteorological Department, Government of India, New Delhi visited the units of the University campus on 14th September, 2025.
- Dr. K.M.L. Pathak, former DDG (Agricultural Education), ICAR, New Delhi visited various units of the University on 20th September, 2025.
- Dr. M.L. Jat, Secretary (DARE) and Director General, ICAR, New Delhi visited various units of the University on 26th September, 2025.

PUBLICATION

- Kumari, S., Pandey, S.B.S., Prahlad, V.C., Upadhyay, K. and Chopra, R., (2025). "Effect of Growing Media and Light Intensity on Germination and Growth of Prosopis cineraria (L.) druce Seedlings". *Plant Archives*, 25 (2):502-4.
- Kumar, M., Sandhya, Kumar, P. and Sharma, K. M. 2025. Evaluation and stability analysis for yield and related traits in rice under humid south-eastern plain zone of Rajasthan. *Journal of Environmental Biology* 46 :564-571.
- Bishnoi, R., Meena, PKP, Koli, N. R., Meena H. P., Tak, Y., Yadav, R. K. and Basser, P. 2025. A comparative analysis of biparental and F3 progenies of Indian mustard [Brassica juncea (L.) Czern & Coss] *Indian Journal of Genetics and Plant Breeding*, 85(3): 445-455.

NEW APPOINTMENT / JOINING

- 42 Newly recruited 25 Assistant Professors, 3 Assistant librarian, 6 Associate Professors, 1 Professors, 3 SMS and 4 Senior Scientist and Heads joined their duties at various units of AU, Kota.
- Dr. K.C. Meena, Professor (Extension Education) has joined at College of Agriculture, Kota on 7th July 2025.
- Dr. B.L. Dhaka, Professor (Extension Education) has joined at Agriculture Research Station, Kota on 8th July 2025.
- Dr. Hemraj Chhipa, Assistant Professor (Microbiology) has joined at College of Agriculture, Kota on 9th July 2025.

SUPERANNUATION

- Shri Prem Chand Nagar, Agriculture Supervisor, ARS, Kota has superannuated on 31st July, 2025.
- Shri Gyarsi Lal Suman, Assistant sanction Officer, ARS, Kota has superannuated on 30th September, 2025.

कृविको समाचार पत्र
कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

AUK Newsletter
Agriculture University, Kota

जुलाई–सितम्बर, 2025

July - September, 2025

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा समाचार पत्रों में

AUK in Press Media

कृषि विवि में प्राकृतिक खेती पर अखिल भारतीय नेटवर्क की प्रथम वार्षिक समूह बैठक

प्राकृतिक खेती के लिए अभियान पर काम करना होगा : डॉ. एमएल जाट

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा ने मनाया अपना 13वां स्थापना दिवस एवं हिन्दी दिवस

डॉ. छीपा को विश्व के टॉप 2% वैज्ञानिकों की सूची में मिला स्थान

आईसीएआर की प्राकृतिक खेती की पहली बैठक का समापन, लाइसेंस, बाजार समेत कई प्रस्ताव पास

कोटा में प्राकृतिक खेती पर रिसर्च के लिए मंजूरी

आइसीएआर ने स्वीकृत की नई परियोजना

झालावाड़ में संतरा पर होगा उन्नत शोध

विकसित कृषि एवं समृद्ध किसान के बिना विकसित भारत की कल्पना नहीं : डॉ.जाट

कृषि विवि स्थापना दिवस: शोध में एआई व जल प्रबंधन पर जोर

कृषि विश्वविद्यालय ने मनाया स्थापना दिवस एवं हिन्दी दिवस

सोयाबीन, धान, गेहूं व सरसों में नंबर-एक पूर्वी राजस्थान, इसलिए वर्ष 2013 में बनाया था कोटा में कृषि विश्वविद्यालय

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा का चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के साथ समझौता ज्ञापन

कृषि विश्वविद्यालय कोटा में प्राकृतिक खेती पर अखिल भारतीय नेटवर्क परियोजना की वार्षिक बैठक संपन्न

हाडोती क्षेत्र में प्राकृतिक खेती पर अनुसंधान के लिए नए केंद्र की स्थापना पर बनी सहमति

कृषि विश्वविद्यालय, बोरखेड़ा, बारां रोड़, कोटा-324001 (राजस्थान)
Agriculture University, Borkhera, Baran Road, Kota-324 001, Rajasthan
Ph. 0744-2321204 (O); 0744-2321203 (Fax) Website : http://aukota.org

निदेशालय प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा-324001 (राज.) द्वारा प्रकाशित
Published by Directorate of Prioritization, Monitoring and Evaluation, Agriculture University, Kota 324001 (Rajasthan)
E-mail : dpme@aukota.org/ dpmeaukota2013@gmail.com, Ph. No. 0744-2340048

Printed : Diamond Printers, Kota # 94142-31079